**धारा 25 सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत प्रार्थना पत्र**

**(Application u/sec. 25 CPC)**

भारतीय उच्चतम न्यायालय ....

अन्तरण प्रार्थना-पत्र ............ सन् ….

अ०ब०स० ............ प्रार्थी

**बनाम**

स०द०फ० ............ विपक्षी

सेवा में,

मान्य मुख्य न्यायाधीश और सहयोगी न्यायाधीश भारतीय उच्चतम न्यायालय

श्रीमान जी,,

उपरोक्त प्रार्थी निम्न प्रकार सविनय कथन करता है :

1. यह कि निम्न प्रकार दिये गये तथ्यों के आधार पर वर्तमान वाद अपील अथवा अन्य कार्यवाही को मान्य न्यायालय नहीं सुन सकती है।

यहाँ पर तथ्य तथा कारण दर्ज किये जायें।

(अ)

(ब)

(स)

(द)

2. यह कि उपरोक्त तथ्य व कारण संलग्न शपथपत्र द्वारा पुष्ठित हैं जो कि प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ दायर किया जा रहा है ।

**प्रार्थना**

अत: प्रार्थना की जाती है कि न्याय हित में ............ राज्य की उच्च न्यायालय/सिविल न्यायालय में विचाराधीन वाद/अपील/अन्य कार्यवाही को ............ राज्य की उच्च न्यायालय/ सविल न्यायालय को विचारण/सुनवाई हेतु अन्तरित करने की कृपा करें ।

**स्थान ............ दिनांक…**   **.प्रार्थी ……**

**द्वारा अधिवक्ता …….**

**नोट** - शपथपत्र नत्थी किया जाये।